नेशनल गैलरी संग्रह प्रस पैक

THE NATIONAL GALLERY

परिचय

नेशनल गैलरी यूरोपीय चित्रों के दुनिया के सबसे बड़े संग्रहों में से एक है।

नेशनल गैलरी के संग्रह में मध्य युग से लेकर 20वीं सदी के शुरू तक की 2,300 से अधिक पेंटिंगें हैं। पश्चिमी यूरोपीय चित्रकला की सभी प्रमुख परंपराओं को प्रदर्शित किया गया है, मध्ययुगीन के अंतिम भाग और पुनर्जागरण काल में इटली के चित्रकारों से लेकर फ्रांसीसी प्रभाववादियों तक, जिनमें टाइटियन, मोनेट, वेलाज़क्यूज़, रेमब्रन्ड्ट और वैन गोफ जैसे कलाकार शामिल हैं।

अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय गैलरियों के विपरीत, नेशनल गैलरी शाही संग्रह से नहीं बल्कि एक उपहार पर स्थापित की गई थी। 1823 में प्राकृतिक दृश्य के चित्रकार और कला संग्रहक, सर जॉज ब्यूमोंट ने अपना चित्रों का संग्रह राष्ट को देने का वादा किया, लेकिन नेशनल गैलरी में पहली तस्वीरें बैंकर और संग्रहक जॉन जलियस एन्गेरस्टीन से मिलीं। 1824 में हाउस ऑफ कॉमन्स ने एन्गेरस्टीन की पेंटिंगों को खरीद लिया, जिनमें क्लाउड, रेमब्रन्ड्ट, और वान डाइक की कलाकृतियां शामिल थीं। संस्थापक एक ऐसी गैलरी चाहते थे जो युवा कलाकारों को शिक्षित और प्रेरित करे, सभी लोगों की आसान पहुँच में हो। आज, नेशनल गैलरी ने अपने मूल उद्देश्य – पेंटिंगों के राष्ट्रीय संग्रह को भविष्य की पीढ़ियों के लिए बचा कर रखना और इनकी देखभाल करनी और संग्रह को जनता के देखने के लिए मुफ़्त रखना – को निबाहना जारी रखा है।

गैलरी की केंद्रीय लंदन में स्थिति इस लिए चुनी गई था ताकि यह राजधानी के पश्चिम और पूर्व दोनों भागों से आने वाले आगंतुकों के लिए सुविधाजनक थी। प्रति वष 5 मिलियन से अधिक लोग गैलरी में आते हैं, जिनमें लंदन वासियों के साथ-साथ यूके और दुनिया भर से आगंतुक शामिल हैं। गैलरी में पहुँचने पर, आगंतुक बहुत से कार्यक्रमों और गतिविधियों में से चुनाव कर सकते हैं जिनमें अस्थायी प्रदर्शनियां, कार्यशालाएं, वार्ता, व्याख्यान और शुक्रवार को देर तक खुलना शामिल है।

नेशनल गैलरी लगातार बदल रही है। जैसे-जैसे नई कलाकृतियां हासिल की जाती है, उधार ली जाती हैं या राष्ट को उत्तरदान की जाती हैं, इस संग्रह का विस्तार होता जा रहा है। गैलरी, संग्रह और अपने दर्शकों, दोनों की बदलती हुई ज़रूरतों के साथ-साथ परिवर्तन कर रही है। पेंटिंगों को वैज्ञानिक और संरक्षण से संबंधित देखभाल की ज़रूरत होती है, और साथ ही आगुंतकों को अभिविन्यास, विश्राम, और ताज़गी के लिए जगह की ज़रूरत होती है।

संग्रह के बारे में संक्षिप्त जानकारी

13वीं से 15वीं सदी

ड्युसियो, युसेलो, वैन आइक, लिप्पी, मैनटेग्ना, बोट्टिसेल्ली, ड्यूरेर, मेम्लिंग, बेल्लिनी

मध्ययुगीन के अंतिम भाग की अधिकतर तस्वीरें धार्मिक हैं, जो चर्चों में वेदियों या निजी भक्ति के लिए बनायी गई थीं। कईयों में नजाकत से सजायी गई सोने की पत्ती की पृष्ठभूमि है। 15वीं सदी में, प्राचीन इतिहास और पौराणिक कथाओं से चित्रों और दृश्यों के महत्व में वृद्धि हुई। यथार्थवाद ने भी पवित्र विषयों के साथ व्यवहार को प्रभावित किया। व्यक्तियों को अक्सर यथार्थपूर्ण वास्तु और प्राकृतिक दृश्य की पृष्ठभूमि में रखा गया था। तकनीकी विकास, जैसे कि ऑयल पेंट, ने चेहरे की अभिव्यक्ति और सतह की बनावटों को चित्रित करने में बहुत सहायता की।

16वीं सदी

लियोनार्डो, क्रेनैच, माइकलएजेलो, रफएल, होलबेन, ब्रजेल, ब्रोनज़िनो, टाइटियन, वेरोनीज़

इस युग के प्रमुख कलाकारों ने ऐसी प्रसिद्धि हासिल की जो कभी भी कम नहीं हुई। विशेष रूप से इटली में, पुनर्जागरण काल के चित्रकारों ने प्राचीन यूनान और रोम के कलाकारों से आगे बढ़ने की कोशिश की। व्यक्तियों के चित्र बनाने वालों की कीमत बहुत ज़्यादा थी और प्राचीन इतिहास और पौराणिक कथाओं के चित्र लगभग उतने ही महत्वपूर्ण बन गए जितने कि ईसाई विषय थे। पेंटिंगों की कलात्मकता के लिए उतनी ही सराहना की जाती थी जितनी कि उनके विषय के लिए, और अक्सर उन्हें विशेष रूप से तैयार की गई गैलरियों में रखा जाता था।

17वीं सदी

कारावैजियो, रुबेन्स, पाउस्सिन, वैन डाइक, वेलियाज़क्वज, क्लाउडे, रेमब्रन्ड्ट, क्यूइप, वेरमीर

जबकि इस युग के कुछ कलाकारों ने प्रेरणा के लिए पहले की कला को देखा, उन्होंने हमेशा भड़कीले से लेकर सादगी तक, अपनी खुद की शैली प्रदान की। दर्शक की भावनाओं को जोड़ने के लिए धार्मिक विषयों को नए ढंग से इस्तेमाल किया गया था। नीदरलैंड में – मनोहर सामाजिक समारोहों से लेकर शराबघरों के जीवंत दृश्यों तक – स्थिर ज़िंदगियों, प्राकृतिक दृश्य और रोज़मर्रा की ज़िंदगी के चित्रकारों ने बहुत ज़्यादा लोकप्रियता का आनंद लिया।

18वीं सदी से 20वीं सदी के शुरू तक

कैनालेट्टो, गोया, टरनर, कोन्सटेबल, इन्ग्रेस, डेगस, सज़ेन्न, मोनेट, वैन गोफ

हालांकि चर्चों और महलों के लिए भव्य चित्रों का उत्पादन जारी रहा, कलाकारों के लिए छोटी कलाकृतियां पेंट करना अधिक आम बन गया जिन्हें कलाकृतियों के डीलरों और सार्वजनिक प्रदर्शनियों के माध्यम से बेचा गया। 19वीं सदी में, कला आंदोलन (एक जैसी शैली में काम कर रहे कलाकारों का अस्पष्ट संघ) प्रकट हुए, और साथ ही स्वतंत्र कलाकार का विचार प्रकट हुआ जिन्होंने आधिकारिक कला सथापना के विरुद्ध विद्रोह किया।

संग्रह का संक्षिप्त इतिहास

1824 नेशनल गैलरी संग्रह की पहली पेंटिंगें बैंकर और संग्रहक जॉन जलियस एन्गेरस्टीन से आईं। 2 अप्रैल को हाउस ऑफ कॉमन्स ने 38 चित्र खरीदने के लिए £60,000 खर्च करने का अधिकार दिया। उनमें सेबैस्टियनो डेल पियोम्बो द्वारा बड़ा वेदी का चित्र, *The Raising of Lazarus*, और डच, फ़्लेमिश और इंग्लिश स्कूलों की उत्कृष्ट उदाहरणें शामिल थीं।

1826 1823 में प्राकृतिक दृश्य चित्रकार और कला संग्रहक, सर जॉज ब्यूमोंट (1753–1827), ने अपने चित्रों का संग्रह राष्ट को देने का वादा किया, इस शर्त पर कि उनके प्रदर्शन और संरक्षण के लिए उपयक्त जगह प्रदान की जा सकती है।

चित्रों का उपहार 1826 में दिया गया। उन्हें पाल माल में एन्गरस्टीन के चित्रों के साथ प्रदर्शित किया गया और फिर 1838 में पूरे संग्रह को ट्राफलगर स्क्वेयर में लेजाया गया। ब्यूमोंट संग्रह में रेमब्रन्ड्ट की *Lamentation over the Dead Christ*, रुबेन्स की *A View of Het Steen in the Early Morning*, कैनालेट्टो की *The Stonemason's Yard*, डेविड विल्की की *Blind Fiddler* (यह अब टट के संग्रह में है) और क्लाउड के कई चित्र शामिल हैं। ब्यूमोंट को अपनी प्रिय क्लाउड के *Landscape with Hagar and the Angel* की इतनी ज़्यादा कमी महसूस हुई कि उसने अपनी मृत्यु तक इसे वापिस उधार ले लिया था।

1826 सरकार ने कैर्रासी की *Christ appearing to Saint Peter on the Appian Way*, पॉउस्सिन की *Bacchanalian Revel before a Term*, और टाइटियन की *Bacchus and Ariadne* को खरीदने के लिए धन दिया।

1831 रेवरेंड होलवेल कार ने एक बड़ा संग्रह दिया, जिसमें टिनटोरेट्टो का *Saint George and the Dragon* और रेमब्रन्ड्ट का *A Woman Bathing in a Stream* शामिल है। अन्होंने अपने चित्रों के लिए सही जगह की शर्त रखी। 100 पाल मॉल को ध्वस्त किया जाना है। चरिंग क्रॉस क्षेत्र के विकास के लिए वास्तुकार नैश की योजना को धन की कमी के कारण रद्द कर दिया गया।

1837 कॉन्सटेबल की *Cornfield* को ग्राहकों द्वारा दान किया गया।

1838 यह संग्रह ट्राफलगर स्क्वेयर में विलकिन्स की नई इमारत में चला गया।

1855 बोर्ड ऑफ़ ट्रस्टी की मदद के साथ, सर चार्ल्स ईस्टलेक को संग्रह और इसके प्रबंधन के पूरे प्रभार के साथ पहला निदेशक नियक्त किया गया।

नए निदेशक ने गैलरी के लिए कलाकृतियां खरीदने हेतु यूरोप भर की यात्रा की। उन 10 वर्षों में जब वह निदेशक थे, सर चार्ल्स ईस्टलेक ने सुनिश्चित किया कि गैलरी के इतालवी पेंटिंग के संग्रह का विस्तार करके इसे दुनिया में सब से अच्छा बनाया जाए। ईस्टलेक की खरीदारियों में बोट्टीसेल्ली की *Adoration of the Kings* और युसेल्लो की *Battle of San Romano* शामिल थी।

1856 जोसेफ माल्लोर्ड विलियम टर्नर ने नेशनल गैलरी के लिए पेंटिंगें, चित्र और पानी वाले रंग छोड़े, जिनमें *The Fighting Temeraire, The Evening Star* और *Rain, Steam and Speed – The Great Western Railway* शामिल थे।

1871 अगले निदेशक वोलियम बॉक्साल, ने पील संग्रह से £75,000 में शानदार 77 पेंटिंगें हासिल की। यह मुख्य रूप से डच और फ़्लेमिश पेंटिंगें थीं, जिनमें होब्बेमा की *Avenue at Middelharnis* रुबेन्स की *'Chapeau de Paille'* शामिल थीं, इन्होंने संग्रह को एक नया पहलू दिया।

1897 नेशनल गैलरी ऑफ ब्रिटिश आर्ट (अब टट ब्रिटेन) को खोला गया। अब तक ब्रिटिश कलाकारों की बहुत ज़्यादा कृतियां नेशनल गैलरी के संग्रह में शामिल हो गई थीं और अधिकतर को मिलबैंक भेज दिया गया था, और चनिंदा ब्रिटिश कृतियों को ट्राफलगर स्क्वेयर में छोड़ा दिया गया था।

1905 आर्ट फंड ने अन्य खरीदारों से बड़ी बोली लगाने के लिए £45,000 इक्ट्ठ करके वेलाज़क्वज़ की *'The Rokeby Venus'* को बचाने में मदद की।

1910 जॉज सांल्टिंग उत्तरदान: डच, फ्रेमिश, नीदरलैंडिज़ और अन्य चित्रों का एक बड़ा संग्रह। यह आज तक का सबसे बड़ा उत्तरदान था जिसमें नेशनल गैलरी को 192 पेंटिंगें दी गईं थी – इनमें से 164 कायम रखा गया है।

1914–18 प्रथम विश्व यद्ध के दौरान, संग्रह को 1917 से एक स्ट्रैंड भूमिगत स्टेशन में संग्रहीत किया गया।

1918 लेन बेक्वस्ट ने 33 प्रभाववादी चित्र प्रदान किए जिनमें रेनोयर की *The Umbrellas* शामिल है। इस उत्तरदान को डबलिन, आयरलैंड में ह्यग लेन गैलरी के साथ साझा किया जाता है।

1924 सैमुअल कोर्टाउल्ड के £50,000 के उपहार के कारण सेउर्टस की *Bathers* और वैन गोफ की *Sunflowers* को हासिल किया गया। रैफल की *Crucifixion* सहित, 42 पेंटिंगों के साथ मोन्ड का उत्तरदान गैलरी का दूसरा सबसे बड़ा उत्तरदान है।

1939–45 द्वितीय विश्व यद्धः संग्रह को वेल्स में मनोद खदान में संग्रहीत किया गया।

1962 आर्ट फंड और सार्वजनिक दानों से मदद के साथ लियोनार्डो द विंसी का कार्टून, *The Virgin and Child with Saint Anne and Saint John the Baptist* लाया गया। गैलरी द्वारा खरीदे जाने के बाद, चार महीनों में लगभग अढ़ाई लाख आगुंतक इसे देखने आए और कइयों ने दान भी दिए।

1985/6 जॉन पाल गेट्टी जनियर (सर पॉल गेट्टी) ने नेशनल गैलरी को £50 मिलियन का दान दिया।

1999 डेनिस महोन लोन: प्रतिष्ठित कला इतिहासकार और संग्रहक, और पूर्व राष्ट्रीय गैलरी ट्रस्टी, ने इतालवी बैरोक पेंटिंगों के अपने संग्रह से 28 कलाकृतियों का लंबी-अवधि का उधार दिया। उनमें गुइडो रेनी, डोमेनीचिनो, लुका गियोरडैनो और जोहन लिस्स की कला-कृतियां शामिल हैं।

2004 हेरीटज लॉटरी फंड, आर्ट फंड (वोल्फसन फाउंडेशन से योगदान के साथ), अमेरिकन फ्रेंड्स ऑफ़ नेशनल गैलरी, जॉज ब्युमोन्ट ग्रुप, सर क्रिस्टोफर ऑनडाट्जे और सार्वजनिक अपील की सहायता से रैफल की *Madonna of the Pinks* को खरीदा गया।

2006 साइमन सेन्सबरी उत्तरदान ने नेशनल गैलरी के लिए पाँच पेंटिंगें छोड़ी। इनमें मोनेट की दो पेंटिंगें: *Snow Scene at Argenteuil* और *Water-Lilies, Setting Sun*; और पॉल गापुगुउनि की *Bowl of Fruit and Tankard before a Window* शामिल हैं।

2009 स्कॉटिश सरकार, नेशनल हेरिटज मेमोरियल फंड, मनुमेंट ट्रस्ट, आर्ट फंड और सार्वजनिक अपील से योगदान के साथ नेशनल गैलरीज़ ऑफ स्कॉटलैंड के साथ साझेदारी में टाइटियन की *Diana and Actaeon* को £50 मिलियन में खरीदा गया।

इन पेंटिंगों को नेशनल गैलरीज़ ऑफ स्कॉटलैंड और नेशनल गैलरी, लंडन के बीच साझे तौर पर इस्तेमाल किया जाएगा और बारी-बारी से पाँच-पाँच वष के लिए प्रदर्शित किया जाएगा।

2012 हेरिटज लॉटरी फंड (HLF), आर्ट फंड और मोन्युमेंट ट्रस्ट के द्वारा असाधारण धर्मार्थ ग्रांटों, और उदार व्यक्तियों और ट्रस्टों के समर्थन के साथ, नेशनल गैलरीज़ ऑफ स्कॉटलैंड और नेशनल गैलरी, लंडन के द्वारा टाइटियन की एक और कलाकृति *Diana and Callisto* हासिल की गई।

इमारत के बारे में

100 पाल मॉल पर नेशनल गैलरी

1824 संस्थापक संग्रह

अप्रेल 1824 में हाउस ऑफ कॉमन्स ने बैंकर जॉन जूलियस एन्गेरस्टीन के चित्र संग्रह के लिए £60,000 देने के लिए सहमति दी। उनके 38 चित्र, सभी लोगों के आनंद और शिक्षा के लिए, नए राष्ट्रीय संग्रह का केंद्र बनने के इरादे से लिए गए थे। 10 मई 1824 को, नई नेशनल गैलरी को नि:शुलक जनता के लिए खोला गया। गैलरी की समर्पित इमारत का निर्माण होने तक, चित्र 100 पाल मॉल पर एन्गेरस्टीन के घर पर प्रदर्शित किए गए।

पहले छह महीनों में 24,000 आगंतुक आए – जो कि उस अवधि के लिए एक आश्चर्यजनक संख्या थी। विलियम सेगुइर, जिसने सरकार के लिए चित्रों का मूल्यांकन किया था, को कीपर नियुक्त किया गया।

इमारत के आकार की प्रतिकल ढंग से अन्य राष्ट्रीय कला गैलरियों के साथ तुलना की गई थी, जैसे कि पैरिस में लौवर, और प्रेस में उपहास उड़ाया गया था।

1831 एक जगह ढूँढ़नी

1831 में पार्लियामेंट ने नेशनल गैलरी के लिए ट्राफलगर स्कायर पर, विलियम विल्किस द्वारा डिजाइन की गई इमारत बनाने पर सहमति दी। गैलरी के लिए सबसे अच्छे स्थान के बारे में लंबी चर्चाएं की गई, और अंततः ट्राफलगर स्क्येयर को चुना गया था क्योंकि इसे केंद्रीय और सुलभ माना गया।

नेशनल गैलरी की राजा के घुड़साल वाली साइट

नेशनल गैलरी के स्थान पर पहले राजा का घुड़साल हुआ करता था। नेशनल गैलरी का निर्माण करते समय विलियम विल्किस ने घुड़साल इमारत के निर्माण के तरीकों में से बहुत को इस्तेमाल किया।

1826 में, पास के कार्लटन हाउस, जो कि प्रिंस रीजेन्ट का पूर्व घर था, को ध्वस्त कर दिया गया था, लेकिन इसके प्रभावशाली स्तंभों को बचा लिया गया। विल्किस ने आठ स्तंभों को नेशनल गैलरी की नई अपनी इमारत में उपयोग करने के लिए चुना। इस दौरान, फिर उसने फैसला किया कि वे केंद्रीय पोर्टिको के लिए बहुत छोटे थे। लेकिन, यह सोचा जा सकता है कि उन्हें अंत में पूर्व और पश्चिम के पोर्टिको के लिए इस्तेमाल किया गया।

विल्किस के डिजाइन से उत्कीर्णन, नेशनल गैलरी – चरिंग क्रॉस, लगभग 1927

1838 नेशनल गैलरी को खोला गया

आखिरकार 1838 में महारानी विक्टोरिया द्वारा नई राष्ट्रीय गैलरी को खोला गया। इमारत के पूर्व विंग में रॉयल अकैडमी ऑफ आर्ट भी रखी गई। एक भव्य केंद्रीय सीढ़ी इसे पश्चिम विंग में नेशनल गैलरी से विभाजित करती थी।

1868 में, रॉयल अकैडमी पिकैडली में अपनी खुद की नई इमारत में चली गई, जिससे नेशनल गैलरी के लिए अतिरिक्त जगह बच गई।

1876 नई इमारत का विस्तार

नेशनल गैलरी अन्दर से, 1876

नेशनल गैलरी की इमारत की बहुत ज़्यादा सार्वजनिक आलोचना हुई और 1868 में वास्तुकार ई. एम. बैरी को ट्राफलगर स्क्वेयर में पूरी गैलरी के पुनर्निर्माण के लिए डिजाइन जमा करने के लिए कहा गया था।

काफी चर्चा के बाद, यह निर्णय लिया गया है कि मौजूदा इमारत रहनी चाहिए, लेकिन एक नया विंग जोड़ा जाना चाहिए। यह 1876 में पूरा किया गया, और पूर्वी छोर पर प्रभावशाली गुंबद सहित सात नए प्रदर्शनी कमरे जोड़े गए।

1896–7 नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी चली गई, टट गैलरी खोली गई

पूरी की गई नई गैलरियां, 1910

1857 में खोली गई नेशनल पोटट गैलरी को 1890 में नेशनल गैलरी के पीछे एक नया घर मिल गया; इसकी नई इमारत 1896 में खोली गई। अगले वष नेशनल गैलरी की ब्रिटिश पेंटिंगों और साथ ही सर हेनरी टट के अपने संग्रह को रखने के लिए टट गैलरी को खोला गया।

1911 नए जुड़ाव

नेशनल गैलरी के लिए विस्तार की जगह हासिल करने के लिए ट्रस्टियों को एक लंबे समय के लिए लड़ाई लड़नी पड़ी। मध्य लंदन में स्थल बहुत सीमित था। आखिरकार, 1907 में, गैलरी के पीछे बैरकों को साफ किया गया और पाँच नई गैलरियां बनाने के लिए काम शुरू हुआ, जिन्हें 1911 में जनता के लिए खोला गया।

1928-1933 मोज़ेक

नेशनल गैलरी ने रूस में जन्मे कलाकार बोरिस एन्रप (1883–1969) को *'The Labours of Life'* और *'The Pleasures of Life'* का दृष्टान्त बनाने के लिए मुख्य गलियारे में दो मोज़ेक पथ बनाने के लिए नियक्त किया। 1952 में, एन्रप ने तीसरा पथ, *'The Modern Virtues'* बनाया। इसके परिणाम स्वरूप बने मोज़ेक रोजमर्रा की जिंदगी का एक उत्सव हैं, जो एक व्यस्त सार्वजनिक जगह के नीचे बने हुए हैं।

एनरेप मोज़ेक

1939-45 द्वितीय विश्व युद्ध

नेशनल गैलरी की छत को बम से नुकसान

बुधवार 23 अगस्त 1939 को नेशनल गैलरी ने अपने दरवाजे जनता के लिए बंद कर दिए, यह न जानते हुए कि इन्हें दोबारा कब खोला जाएगा।

युद्ध के दौरान पूरे संग्रह को वेल्स के मनोड में एक स्लेट खदान में भेज दिया गया, और 1940 में गैलरी में बम से क्षति हुई।

आगंतुक, जो कि पुराने मुख्य चित्रों को नहीं देख सकते थे, अब प्रसिद्ध पियानोवादक माइरा हेस द्वारा लोकप्रिय दोपहर के खाने के समय संगीत की तरफ आकर्षित हुए, और उन्होंने कई अस्थायी प्रदर्शनियों का आनंद लिया।

सैंसबरी विंग का बाहरी भाग

1975 उत्तरी विस्तार

उत्तरी विस्तार 1975 में खोला गया, जिसने प्रदर्शनी के लिए काफी अतिरिक्त जगह प्रदान की: नौ बड़े कमरे और तीन छोटे 'कैबिनेट' कमरे। इन नई गैलरियों ने जितना संभव हो सके प्राकृतिक प्रकाश का उपयोग किया।

1991 सैंसबरी विंग

1985 में प्रेस्टन कैंडोवर के लॉर्ड सैंसबरी और उनके भाइयों माननीय साइमन सैंसबरी और सर टिमोथी सैंसबरी ने उदारता के साथ गैलरी के नए विंग के निर्माण के वित्तीय सहायता देने पर सहमति दी।

गैलरी के पास का स्थान द्वितीय विश्व युद्ध के समय से खाली पड़ा था, जब एक फर्नीचर की दुकान बमबारी से नष्ट हो गई थी। नया सैंसबरी विंग 1991 में खोला गया, और यह समग्र शुरुआती पुनर्जागरण काल के संग्रह को प्रदर्शित करता है।

2004–6 पूर्व विंग का विकास

इस परियोजना के पहले चरण में सर पॉल गेट्टी प्रवेशद्वार को खोला गया। इसके कारण पहली बार जनता के लिए ट्राफलगर स्क्वायर से सीधे सड़क के स्तर से मुख्य इमारत तक पहुँचना संभव हो पाया। दूसरे चरण में मुख्य रूप से मुख्य गलियारे का पुनर्विकास और सीढ़ियों वाले हॉल में मूल 19वीं सदी के जे. डी. क्रेस छत की सजावट की मरम्मत शामिल थी।

एनेनबर्ग कोर्ट और लोयर हॉल, ईस्ट विंग

वर्तमान

सैंसबरी विंग के पूरा होने के बाद, गैलरी का कुल क्षेत्र 46,396मीटर² – लगभग छह फुटबॉल मैदानों के बराबर – है। यह इतना बड़ा है कि इसमें लंदन की 2,000 से अधिक डबल डेकर बसें समा सकती हैं।

सभी चित्र © नेशनल गैलरी, लंदन

© नेशनल गैलरी, लंदन

नेशनल गैलरी के निदेशक

डॉ. निकोलस पेन्नी 2008 से नेशनल गैलरी के निदेशक हैं।

पहले निकोलस पेन्नी 1990 और 2000 के बीच नेशनल गैलरी में पुनर्जागरण काल की चित्रकारी के क्लोर क्यूरेटर थे। ट्राफलगर स्क्वेयर में वे वॉशिंगटन में नेशनल गैलरी ऑफ आर्ट से वापिस आए, जहा वे सेंटर फॉर अड्वांस्ड स्ट्डी इन दि विज़्युल आर्टस में एंड्रयू डब्ल्यू. मेलोन प्रोफेसर थे। वे 2002 से 2007 तक मूर्तिकला और सजावटी कला के वरिष्ठ संग्रहाध्यक्ष रहे हैं।

कोर्टाउल्ड इंस्टिच्यूट से डॉक्टर की उपाधि प्राप्त करने के बाद, उन्होंने अपने कैरियर की शुरुआत यनिवर्सिटी ऑफ़ मैनचेस्टर में कला के इतिहास में एक व्याख्याता के रूप में की। संग्रहालय में उननी पहली नियक्ति ऑक्सफोर्ड में एशमोलियन म्यूज़ियम में डिपार्टमेंट ऑफ़ वेस्टर्न आर्ट के कीपर के रूप में थी।

निक्कोलस ने पेन्नी चित्रकला और मूर्तिकला दोनों पर, तथा संग्रहण और शैली के इतिहास पर कई पुस्तकें और लेख लिखे हैं। उनके काम में अध्ययनशील कैटलॉग, छात्रों के लिए छात्र परिचयात्मक पाठ और सामान्य पाठक के लिए महत्वपूर्ण समीक्षा शामिल हैं।

नेशनल गैलरी में अनुसंधान

अनुसंधान के बारे में

अनुसंधान नेशनल गैलरी में एक लगातार और मौलिक गतिविधि है, गैलरी के काम के कई क्षेत्रों में मदद करने वाली गतिविधियों में शामिल हैं:

- प्रदर्शनियां, अध्ययनशील कैटलॉग और अन्य प्रकाशन
- चित्रों की देखभाल और संरक्षण
- उनका प्रदर्शन और व्याख्या

यह पूरा अनुसंधान नेशनल गैलरी के चित्रों के बारे में जनता की समझ में योगदान देता है। यह शानदार संग्रह दुनिया में सबसे बारीकी से अध्ययन किए गए और अनुसंधान किए गए संग्रहों में से एक है।

पेंटिंगों पर अनुसंधान करना

यह गैलरी 13वीं सदी से लेकर 20वीं सदी के शुरू तक की यूरोपीय चित्रों के अनुसंधान के लिए पूर्व प्रख्यात केंद्र बन गई है। फिर भी, ऐसी चीजें हैं जो इसके संग्रह में सभी चित्रों के बारे में खोजी जानी बाकी हैं – सबसे अच्छी तरह से जाने जाते चित्रों के बारे में भी।

गैलरी निरंतर रूप से निम्नलिखित के बारे में जांच कर रही है:

- पेंटिंगे कैसे, क्यों, कब, कहां और किसके द्वारा बनायी गई थीं
- इन्हें किसने बनवाया और एकत्रित किया
- इन्हें कैसे इस्तेमाल किया गया
- इनका क्या अर्थ है

चित्रों की इस गहराई से जांच के द्वारा जनता के लिए उपलब्ध जानकारी को आकार देने में सहायता मिलती है, जिसे नए निष्कर्षों को प्रतिबिबित करने के लिए नियमित रूप से ताज़ा किया जाता है।

पेंटिंगों की देखभाल करना

गैलरी का संरक्षण विभाग, क्यूरेटरों और वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम करते हुए सुनिश्चित करता है भविष्य की पीढ़ियां संग्रह का आनंद ले सकें। उनके काम में पेंटिंगों की अवस्था की नियमित जांच, और गैलरी में प्रकाश, तापमान और आर्द्रता पर नियंत्रण शामिल है। संरक्षक प्रमुख पुनर्स्थापन का काम भी करते हैं, जिसमें कभी-कभी कई महीने या साल भी लग सकते हैं।

प्रत्येक चित्र की सफाई और पुनर्स्थापन के लिए मंजूरी गैलरी के ट्रस्टियों द्वारा दी जाती है। प्रक्रिया की ध्यानपूर्वक निगरानी की जाती है और इसे दज किया जाता है, जिसमें फोटोग्राफी का बहुत ज़्यादा इस्तेमाल किया जाता है। पेंट की गई जगह को पुनर्स्थापित करना संरक्षकों का सबसे अधिक दिखाई देने वाला काम हो सकता है, लेकिन पेंटिंगों को समर्थन देने वाली चीज़ों (पैनलें और कैनवस) का उपचार भी अक्सर उतना ही महत्वपूर्ण होता है।

प्रत्येक चित्र के लिए उपचार के सबसे उपयक्त रूप पर फैसला करने के लिए संरक्षक, वैज्ञानिकों और क्यूरेटरों के साथ निकटता से मिलकर काम करते हैं। वे संग्रह में प्रस्तुत किए गए कलाकारों द्वारा इस्तेमाल की गई तकनीकों का अध्ययन करने के लिए भी मिलकर काम करते हैं।

संरक्षण का विज्ञान

जब किसी पेंटिंग का बारीकी से अध्ययन किया जाता है, या जब यह संरक्षण उपचार से गुजरती है, आधनिक वैज्ञानिक तरीके हमेशा महत्वपूर्ण सहायक होते हैं। पेंट के महीन कणों का शक्तिशाली सूक्ष्मदर्शी और रासायनिक विश्लेषण पेंटिंग बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए रंग के प्रकार और माध्यम के बारे में, और इसमें शामिल परतों की संरचनाओं के बारे में जानकारी देता है।

एक्स-रेडियोग्राफी और इन्फ्रारेड रेफ्लक्टोग्राफी पेंट की सतह के नीचे कलाकार के प्रारंभिक कामकाज को बेनकाब कर सकते हैं, जिससे अक्सर उनकी प्राथमिक सोच के बारे में पता चलता है।

नेशनल गैलरी के क्यूरेटर, वैज्ञानिकों और संरक्षकों द्वारा नई शोध को हर साल नेशनल गैलरी टक्निकल बुलेटिन में प्रकाशित किया जाता है, जो कि अब ऑनलाइन खरीदे जाने के लिए उपलब्ध है।

गैलरी में छात्रवृत्ति

नेशनल गैलरी ने क्यूरेटर, वैज्ञानिकों, संरक्षकों, और अभिलेखाध्यक्षों की समर्पित टीमों के बीच अध्ययनशील सहयोग की शुरुआत की है और इसे कायम रखा है। गैलरी के संग्रह कैटलॉगों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस तरह के प्रकाशनों के लिए मानक स्थापित करने के रूप में मान्यता प्राप्त है।

विशेष रूप से चित्रों के वैज्ञानिक अध्ययन पर समर्पित अध्ययनशील लेख नेशनल गैलरी टक्निकल बुलेटिन में प्रकाशित किए जाते हैं, जो अब अपने 30वें साल में है।

नेशनल गैलरी खुद को कला इतिहासकारों के एक संपन्न समुदाय के केंद्र में देखती है। अन्य संगठनों के साथ संबंध स्थापित करके, गैलरी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, दोनों स्तर पर यूरोपीय चित्रकला के अनुसंधान के क्षेत्र में उत्कृष्टता को समर्थन देना और इसे आगे बढ़ाना चाहती है।

गैलरी की खुद कि छात्रवृत्ति अन्य संस्थानों से शिक्षकों के साथ हमारे संबंधों से समृद्ध है, भले ही वे हमारी प्रदर्शनियों के लिए अतिथि क्यूरेटर के रूप में काम कर रहे हैं या हमारे सम्मेलनों और सेमिनारों के सक्रिय कार्यक्रम में शोध पत्र पेश करते हैं, जिनमें से कुछ को बाहरी भागीदारों के साथ संयक्त रूप से आयोजित किया जाता है।

आर्टस एण्ड ह्यमेनिटीज़ रिसर्च काउंसिल और इंजीनियरिंग एण्ड फिजीकल साइंस रिसर्च काउंसिल द्वारा नेशनल गैलरी को एक स्वतंत्र अनुसंधान संगठन के रूप में मान्यता प्राप्त है।

नेशनल गैलरी में शिक्षा

शिक्षा विभाग लगभग 30 साल पहले स्थापित किया गया था और इसके कार्यक्रम यह दिखाने के लिए तैयार किए गए हैं कि कैसे नेशनल गैलरी के संग्रह के पास व्यक्तिगत रचनात्मकता को प्रेरित करने की क्षमता है। नेशनल गैलरी पर हर किसी के लिए एक जिम्मेदारी है, न कि केवल उनके लिए जो पहले से जानते हैं कि संग्रह का आनंद कैसे लेना है।

लोगों तक पहुचना

संग्रह तक पहुँच प्रदान करने के इसके व्यापक सामरिक उद्देश्य के भाग के रूप में, नेशनल गैलरी व्यापक और विविध जनता के लिए अपने संग्रह में रुचि पैदा करने के कल्पनाशील और शिक्षाप्रद तरीके खोजने के लिए प्रतिबद्ध है।

गैलरी का लोगों तक पहुँचने का कार्यक्रम इस उद्देश्य को पूरा करने में अभिन्न भूमिका निभाता है। लोगों तक पहुँचने के प्रोजेक्ट प्रमुख सामुदायिक समूहों पर लक्षित हैं और उन दर्शकों को रचनात्मक रूप से जोड़ने के लिए तैयार किए गए हैं जिन्हें शायद अन्य शैक्षिक प्रावधान के माध्यम से संग्रह तक पहुँचने में शारीरिक, सामाजिक, भावनात्मक या बौद्धिक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है।

पारस्परिक-क्रिया वाले लोगों तक पहुँचने के प्रोजेक्ट पेश करके गैलरी सुनिश्चित करना चाहती है कि उन लोगों को नेशनल गैलरी संग्रह का अनुभव लेने और इस पर प्रतिक्रिया करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए जिन्होंने शायद परंपरागत रूप से बाहर रखा गया महसूस किया हो।

आगे की और उच्च शिक्षा के छात्र

नेशनल गैलरी के अध्ययन सत्र, प्रदर्शनियों के बारे में एक सामान्य परिचय प्रदान करने के लिए, विशेष रूप से बीए और एमए के छात्रों के लिए तैयार किए गए हैं। इनमें क्यूरेटरों और कलाकारों के साथ बातचीत, चर्चा के अवसर और प्रदर्शनी के लिए प्रवेश शामिल हैं।

छात्रों के लिए बहुत से अलग-अलग तरह के विषयों से प्रोजेक्ट प्रदान करने के लिए नेशनल गैलरी अन्य संस्थानों के साथ मिलकर भी काम करती है। हाल ही में हमने उन छात्रों के साथ मिलकर काम किया है जिन्होंने संग्रह से प्रेरित होकर संगीत तैयार किया, जिसे लंडन चैंबर ऑर्केसट्रा के द्वारा प्रदर्शित किया गया।

स्कूल

संग्रह तक पहुँचने में शिक्षकों और उनके विद्यार्थियों की मदद करने के लिए नेशनल गैलरी स्कूलों और कॉलेजों को कुशल और अनुभवी गैलरी शिक्षा पेशेवरों की एक बड़ी टीम पेश करती है। चित्रों को पाठ्यक्रम के हर क्षेत्र में पढ़ाई को समृद्ध बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। गैलरी की एक सैर छात्रों को यह जानने के लिए प्रोत्साहित करती है कि किसी पेंटिंग को कैसे पढ़ना है और कला को देखने का आनंद कैसे लेना है। यह उन्हें दिखा सकता है कि कैसे पेंटिंगों को अन्य विषयों के साथ और उनके खुद के अनुभवों के साथ जोड़ा जा सकता है।

एक तस्वीर लें

'एक तस्वीर लें' योजना यूके के प्राथमिक स्कूलों को नेशनल गैलरी के संग्रह से किसी पेंटिंग को पाठ्यक्रम में शिक्षण और सीखने के लिए के लिए केंद्र बिंदु के रूप में उपयोग करने के लिए आमंत्रित करती है। प्रत्येक वष अन्वेषण के लिए एक प्रारंभिक बिंदु प्रदान करने के लिए नेशनल गैलरी के एक अलग चित्र को चुना जाता है। 1995 में योजना के शुरू होने के बाद से सैकड़ों स्कूलों ने इस चुनौती को अपनाया है और इनमें से कई वार्षिक 'एक तस्वीर लें' प्रदर्शनी में काम जमा करते हैं।

वयस्क शिक्षा

प्रत्येक दिन, गैलरी में वयस्क आगंतुकों के लिए मुफ़्त वार्ता और दौरे होते हैं। वाद-विवाद, चर्चा समूह, लघु पाठ्यक्रम और अध्ययन वाले दिन नेशनल गैलरी की पेंटिंगों से अधिक गहराई से जुड़ने और उन्हें खोजने का अवसर प्रदान करते हैं। रचनात्मक महसूस करने वालों के लिए, मुफ़्त दोपहर के खाने के समय की बातचीत और चित्र बनाने की गतिविधियों से लेकर एक दिन की जीवन-ड्राइंग, प्रिंट बनाने और मूर्तिकला कार्यशालाओं तक के व्यावहारिक सत्र भी हैं।

परिवार

हर रविवार फैमिली संडे होता है जिसमें विशेष रूप से परिवारों के लिए मिलकर आनंद लेने और सीखने की गतिविधियां शामिल होती हैं। 5 वष के कम की उम्र वालों के लिए मैजिक कार्पेट कहानी सुनाने का कार्यक्रम और 5 से 11 वष के बच्चों वाले परिवारों के लिए चलने के मार्गों और ऑडियो टूर के साथ वर्कशॉपें होती हैं।

नेशनल गैलरी में भाषाएं

ऑडियो गाइड	'60-मिनट की सैर' यह सैर गैलरी में पेश की जाती विशेषताएं दिखाती है। यह अंग्रेजी, फ्रेंच, इतालवी, स्पेनिश, जर्मन, रूसी, पोलिश, पुर्तगाली, डच, जापानी, चीनी (मंदारिन) और कोरियाई में उपलब्ध है।
नक्शा	अंग्रेजी, चीनी, डच, फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, जापानी, कोरियाई, पोलिश, पुर्तगाली, रूसी और स्पेनिश में उपलब्ध है। स्वागत शीट अरबी, ग्रीक, और हिन्दी में उपलब्ध है।
साथी गाइड	संग्रह से परिचय, अंग्रेज़ी, फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, जापानी और स्पेनिश में उपलब्ध है।
नेशनल गैलरी से प्रमुख कलाक	यह पुस्तिका अंग्रेजी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, इतालवी, जापानी, कोरियाई, पोलिश, रूसी और स्पेनिश में उपलब्ध है।
आगंतुकों के लिए गाइड	गाइडबुक चीनी, फ्रेंच, इतालवी, जापानी, रूसी और स्पेनिश में उपलब्ध है।

नेशनल गैलरी के शीर्ष 10 अनोखे तथ्य

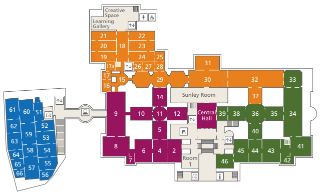

फर्श का कुल क्षेत्र

46,369 मीटर² पर फर्श का कुल क्षेत्र फुटबॉल के छह मैदानों के बराबर है। इमारत का आयतन 212,615 मीटर³ है, जिसमें लंदन की 2,156 डबल डेकर बसें समा सकती हैं।

संग्रह का आकार

गैलरी के संग्रह में 2,300 पेंटिंगें हैं, जिनमें से लगभग सभी किसी भी समय पर प्रदर्शित की जाती हैं।

आगंतुकों की संख्या

एक वष में गैलरी में 5 मिलियन से अधिक आगंतुक आते हैं। शिक्षा विभाग वष में लगभग 80,000 स्कूली बच्चों की मेजबानी करता है।

मूर्तियां

पोर्टिको प्रवेश पर मूर्तियां मूल रूप से मार्बल आर्च के लिए थीं।

पहली पेंटिंग

संग्रह की पहली पेंटिंग (NG1) सेबैस्टिनो डेल पियोम्बो के द्वारा *The Raising of Lazarus* है जिसे 1824 में प्राप्त किया गया था।

संग्रह में सबसे छोटी पेंटिंग

अज्ञात फ्रांसीसी कलाकार द्वारा *प्रिंस चार्ल्स एडवर्ड स्टुअरट* (*The Young Pretender*) जिसका आकार 7.6 से.मी. x 7 से.मी. है।

संग्रह में सबसे बड़ी पेंटिंग

गुइडो रेनी की *The Adoration of the Shepherds* जिसका आकार 480 से.मी. x 321 से.मी. है।

आकार

स्टब्बस की *Whistlejacket* वास्तविक आकार के घोड़े को चित्रित करती है।

प्रेरणा

मैस्सी की *An Old Woman ('The Ugly Duchess')* *वंडरलैंड में एलिस क साहस* के लिए सर जॉन टनिअल के चित्रण में रानी के लिए प्रेरणा थी।